

मंगलवार • 16.11.2021

आगर उजाला

05

सीएसए में 18 से 21 तक बागवानी सम्मेलन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में 18 से 21 नवंबर तक चार दिवसीय 9वें भारतीय बागवानी महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सीएसए में आर्थिक आजीविका और स्वास्थ्य के लिए बागवानी विषय पर होने वाले सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद कराया जाएगा। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि सम्मेलन में वैज्ञानिकों के अलावा शिक्षक और शोधकर्ता अपने नवीनतम शोधों और तकनीकों का प्रस्तुतीकरण देंगे। अंडर यूटिलाइज्ड फसलें जैसे कीवी, जामुन, नाशपाती, ड्रैगन फ्रूट सहित अन्य सब्जियां एवं फूलों पर भी व्याख्यान दिए जाएंगे। संगोष्ठी के चेयरमैन भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी नई दिल्ली के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. केएल चड्ढा होंगे। 400 से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षक और शोधकर्ता इसमें भाग लेंगे। (संवाद)

Sign in to edit and save changes to this file.

फलों की बागवानी बढ़ाने को मंथन करेंगे कृषि वैज्ञानिक

18 से 21 नवम्बर तक आनलाइन-आफलाइन से जुड़ेंगे देशभर के कृषि विशेषज्ञ

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 15 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में आगामी 18 से 21 नवंबर के बीच होने वाले भारतीय बागवानी महासम्मेलन में देशभर के कृषि वैज्ञानिक मंथन करेंगे। वे बागवानी को उद्योग की तरह विकसित करने के साथ लोगों के बेहतर



वीसी डॉ. डीआर सिंह

समेत अन्य सब्जी व फल पर भी वैज्ञानिक जानकारी देंगे। तकनीकी विकास, तुड़ाई उपरांत प्रबंधन, गुणवत्ता नियंत्रण, निर्यात आदि पर विशेषज्ञ अपनी राय देंगे। संगोष्ठी के चेयरमैन अकादमी के अध्यक्ष व पद्मश्री डॉ. केएल चड्ढा, को-चेयरमैन कुलपति डॉ. डीआर सिंह, आयोजक सचिव डॉ. एचजी

स्वास्थ्य को ध्यान में रख रणनीति पर भी चर्चा करेंगे। सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह का कहना है कि आर्थिक आजीविका और स्वास्थ्य के लिए 9वें महासम्मेलन का आयोजन भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली की ओर से किया जा रहा है। अंडर यूटिलाइज्ड फसलें जैसे कीवी, जामुन, नाशपाती, ड्रैगन फ्रूट

प्रकाश व सह-आयोजक सचिव डॉ. वीके त्रिपाठी होंगे। इसमें 400 से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षक व शोधकर्ता भाग लेंगे। यह ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों माध्यम से आयोजित होगी। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि कार्यक्रम में एमएससी व पीएचडी के छात्रों के लिए क्विज प्रतियोगिता भी कराई जाएगी।

राष्ट्रीय

सहारा

कानपुर • मंगलवार • 16 नवम्बर • 2021

सीएसए में भारतीय

बागवानी सम्मेलन 18 से

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि 18 से 21 नवम्बर तक होने वाले चार दिवसीय भारतीय बागवानी महासम्मेलन की मेजवानी करेगा। 'आर्थिक आजीविका और स्वास्थ्य संरक्षण हेतु बागवानी' विषय पर केन्द्रित नवीं भारतीय बागवानी महासम्मेलन, 2021 के आयोजन में भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी नई दिल्ली भी सहयोगी है। इस मौके पर देश-विदेश के उत्कृष्ट बागवानी वैज्ञानिक/शिक्षक व शोधकर्ता विभिन्न विषयों पर अपनी नवीनतम शोधों एवं तकनीकों के प्रस्तुतीकरण के साथ ही व्याख्यान देंगे।

विवि कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि वर्ष 2021 को अंतरराष्ट्रीय फसल एवं सब्जी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसके साथ ही कीवी, जामुन, नाशपाती, ड्रैगन फ्रूट सहित विभिन्न सब्जियों व फूलों पर भी व्याख्यान दिये जायेंगे। भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. केएल चड्ढा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के सह अध्यक्ष सीएसए कुलपति डॉ. डीआर सिंह होंगे। संयोजन का दायित्व सीएसए के निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश व डॉ. वीके त्रिपाठी को सौंपा गया है।

दैनिक जागरण

4

कानपुर, 16 नवंबर, 2021

संवाद करेंगे किसान

कानपुर : सीएसए में 'आर्थिक आजीविका और स्वास्थ्य हेतु बागवानी' विषय पर होने वाले चार दिवसीय नौवें भारतीय बागवानी महासम्मेलन में देश भर के वैज्ञानिकों से किसान भी संवाद कर सकेंगे और अपनी समस्याओं का समाधान पा सकेंगे। कुलपति डा. डीआर सिंह ने बताया कि 18 से 21 नवंबर तक विवि व भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी के तत्वाधान में महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जासं

Agri scientists to discuss gardening economic livelihood and health

PNS ■ KANPUR

Vice Chancellor of Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology, Dr DR Singh, while addressing press persons on Monday, said the four-day National Horticulture Conclave will be held between November 18 and 21 and the topic in focus would be 'Gardening for Economic Livelihood and Health.'

He said this conclave was being organised in association with the Indian Academy of Horticultural Science, New Delhi. He said not only farm scientists from all over India but even from abroad would be taking part and presenting their latest research papers.

He said 2021 was being observed as International Crops and Horticulture Year and the focus was on human health and nutrition. He said other areas of discussion would be under-utilised crops like kiwi, Indian blackberries, pear,

dragon fruit and other vegetables and flowers.

He said special emphasis was being laid on inter-breeding and to make land for horticulture more fertile. He said other issues to be discussed were management and price promotion, technical methods for conservation, improvement in quality and exports.

He said the focus would also be on taking up the problems of the farmers. He said over 400 farm scientists from all over the world would be participating in the conclave.

He said horticulture referred to the art and science of growing fruits, vegetables, flowers and other plants for human food, non-food uses and social needs. He said India grows numerous horticultural crops of commercial significance and 30 per cent of India's GDP accounted from horticulture and provided about 37.1 per cent of the total exports of agricultural commodities.

He said over the past few

decades, horticulture had grown from planned monitoring using satellite derived information for large-scale decision building to strategic planning and control.

Soil scientist Dr Khalil Khan said remote sensing technology like crop identification, crop intensification, orchard rejuvenation, aqua/horticulture soil health mapping, crop yield estimation, land resource mapping would help the farmers to grow their horticulture crops in a profitable manner.

He said the satellite data provided the precise information of irrigated crop areas by monitoring the phenological development of crops through multi-temporal images. He said the weather condition was an important aspect that hastened and also delayed the phenological phases of horticultural crops.

He said sensors were designed to identify the crops based on the spectral signature

of the various wavelengths of the electromagnetic spectrum. He said site-specific crop management was one of the most important activities for horticulture which involved spatial referencing, crop and climate monitoring, attribute mapping, decision support system and so on. He said a significant trend for agricultural development had been considered using technology stack, for investment and realisation of additional value within the agri-food sector. He added that smart agriculture technologies provided three basic requirements for horticultural development by identifying the precise location of the field, spatiotemporal variability of soil and crop conditions and farming practices at field level.

He said future policy for implementation of horticulture in India should contemplate the problem of land fragmentation, deficiency of highly urbane technical centres for horticulture, data management,

agri-business, and dead reckoning system. He said spatial data provided valuable information for horticultural variables, such as yield, biotic, abiotic indicators of crops, analyses of different sites and farms.

He said space technology had provided growers with a vigorous and trustworthy technique for decision making about spatial management of their fields. He said the establishment of four-layer-twelve-level and five-layer-fifteen-level remote sensing data management structure, provided management and application framework for huge volume data management and local farm studies.

He said the conclave would focus on several aspects needed to be considered for the horticultural development through geospatial technology, such as reliable data with high temporal resolution, efficient organization and management of satellite derived information etc.

16/11/2021

कानपुर • मंगलवार • 16 नवंबर 2021

फलों की बागवानी बढ़ाने पर मंथन करेंगे वैज्ञानिक

कानपुर। फलों की बागवानी बढ़ाने पर देशभर के वैज्ञानिक कानपुर में मंथन करेंगे। वे बागवानी को उद्योग की तरह विकसित करने के साथ लोगों के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रख रणनीति पर भी चर्चा करेंगे। मौका होगा सीएसए में 18 से 21 नवंबर के बीच होने वाले भारतीय बागवानी महासम्मेलन का।

सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि आर्थिक आजीविका और स्वास्थ्य के लिए 9वें महासम्मेलन का आयोजन भारतीय उद्यान विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली की ओर से किया जा रहा है। इसमें मुख्य ध्यान मानव स्वास्थ्य एवं पोषण पर है। संगोष्ठी के चेयरमैन अकादमी के अध्यक्ष व पद्मश्री डॉ. केएल चड्ढा, को-चेयरमैन कुलपति डॉ. डीआर सिंह, आयोजक सचिव डॉ. एचजी प्रकाश व सह-आयोजक सचिव डॉ. वीके त्रिपाठी होंगे। इसमें 400 से अधिक वैज्ञानिक भाग लेंगे।